Title : Regarding desilting of Ganga river in Kasganj district, Uttar Pradesh

श्री देवेश शाक्य (एटा) : महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र एटा (उ०प्र०) के जनपद कासगंज के तहसील पटियाली में गंगा नदी के किनारे लगभग 15-20 किलोमीटर के दायरे में बसे गांवों जैसे शहबाजपुर बरौना बरी बगबास, कादरगज पुख्ता इदा मिहौला नरदोली और मूंज खेडा, राजेपुर कुर्रा गांव जो प्रतिवर्ष बाढ़ और कटान से प्रभावित होते रहते है। वहां के सभी किसानों के लिए यह गंभीर समस्या है। बाढ़ के समय किसानों की फसल नष्ट हो जाती है। कटान से भी किसानों एवं ग्रामवासियों को भारी आर्थिक क्षति होती है। यह समस्या मुख्य रूप से गंगा नदी के पेटी में गाद सिल्ट का जमा होना है। जिसके कारण गंगा नदी का रास्ता बरसात के समय रिहायशी इलाके की तरफ मुड़ जाता है। स्थानीय प्रशासन एवं सिंचाई विभाग रेत की बोरियां डालकर अस्थाई बचाव का प्रयास करती आ रही है जो समस्या का समाधान नहीं है। किसानों के प्रतिवर्ष काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

अतः मैं माननीय जल शक्ति मंत्री जी से आग्रह करता हूं कि इस क्षेत्र में प्रभावित गांवों को स्थाई समाधान के लिए डीसिल्टिंग और बड़े पत्थरों की ठोकरों की व्यवस्था होनी चाहिये और गंगा नदी में प्रतिवर्ष आ रही बाढ़ और कटान से निदान दिलाने के लिए जल्द कोई कार्य योजना की अनुमति देने की कृपा करें।